मिठास पर महंगाई का साया, बढ़ते भाव से आम आदमी परेशान

बड़वानी, (नवभारत)। महंगाई ने अब रसोई की मिठास पर भी डाका डाल दिया है। दो महीने पहले 45 से 50 रुपए किलो मिलने वाली शक्कर अब 65 से 70 रुपए किलो हो गई है। एक सप्ताह में ही इसके दाम करीब 12 से 13 रुपए किलो बढ़ गए हैं। शक्कर आम आदमी के दैनिक उपयोग की प्रमुख खाद्य सामग्री है। चाय से लेकर नाश्ते और घर के अन्य खाद्य पदार्थों तक इसका नियमित उपयोग होता है। ऐसे में दाम बढ़ने का सीधा असर हर परिवार के मासिक बजट पर पड़ रहा है।

जिले की करीब 15 लाख आबादी में प्रतिदिन औसतन 50 हजार किलो अर्थात 50 टन शक्कर की खपत होती है। इसमें प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25 से 30 ग्राम शक्कर का घरेलू उपयोग शामिल है। होटल, चाय-नाश्ते की दुकानें और मिठाई व्यवसाय भी बड़ी मात्रा में शक्कर का उपयोग करते हैं। ऐसे में कीमत में 20 रुपए किलो की वृद्धि से जिलेवासियों पर प्रतिदिन करीब 10 लाख रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ने का अनुमान है, जो महीने भर में लगभग 3 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। पहले से बढ़ती खाद्य वस्तुओं की कीमतों से परेशान लोगों के लिए यह वृद्धि एक और आर्थिक झटका है।

बाजार में शक्कर के लगातार बढ़ते दामों को लेकर व्यापारियों से चर्चा करने पर व्यापारी अशोक पिपरे ने बताया कि शक्कर के भाव में अचानक आई तेजी आश्चर्यजनक है। 11 अगस्त तक शक्कर का भाव 52 रुपए किलो था, जो पहले ही काफी अधिक माना जा रहा था। इसके बाद कुछ ही दिनों में करीब 13 रुपए की वृद्धि के साथ रविवार को भाव 65 रुपए किलो पहुंच गया। व्यापारियों का कहना है कि पिछले वर्षों में भी शक्कर के दाम बढ़ते-घटते रहे हैं, लेकिन इतनी तेजी पहले कम देखने को मिली। बीते वर्षों में शक्कर का सामान्य भाव 40 से 50 रुपए किलो के बीच रहा है।

कम उत्पादन, एथेनॉल और त्योहार की मांग से बढ़े भाव

ट्रेड एक्सपर्ट अमन गुप्ता के अनुसार शक्कर के बढ़ते दाम का प्रमुख कारण बाजार में स्टॉक की कमी है। वर्ष 2025-26 के सीजन में उत्पादन उम्मीद से कम रहा, जिससे मिलों के पास उपलब्ध स्टॉफ घटा है। गन्ने का एक हिस्सा शक्कर के बजाय एथेनॉल उत्पादन में जाने से भी बाजार में शक्कर की उपलब्धता कम हुई है। अगस्त से नवंबर के बीच रक्षाबंधन, श्रीगणेश चतुर्थी, नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्यौहारों से मांग बढ़ने की संभावना है। इसी कारण व्यापारी भी अभी से स्टॉक बढ़ा रहे हैं। हालांकि सरकार ने स्टॉक लिमिट की बाध्यता शुरू की है, जिससे आगामी दिनों में बाजार में दबा हुआ शक्कर का स्टॉक निकलने की उम्मीद है।

सावन के अंतिम सोमवार को दूल्हा रूप में सजे सिद्धेश्वर महादेव

बड़वानी। पवित्र श्रावण मास के अंतिम (चौथे) सोमवार के अवसर पर शहर के अधिष्ठाता राजाधिराज सिद्धेश्वर महादेव का भव्य और मनमोहक संध्याकालीन श्रृंगार किया गया। इस पावन मौके पर मंदिर परिसर को देशी-विदेशी फूलों की आकर्षक लड़ियों से सजाया गया था। विशेष श्रृंगार के तहत 12 किलो पीले व केसरिया गेंदे तथा 5 किलो गुलाब के ताजे फूलों का उपयोग कर भव्य शिवलिंग का निर्माण किया गया। भगवान भोलेनाथ को दूल्हा स्वरूप देकर उनका अलौकिक रूप में श्रृंगार किया गया, जिसे देखने के लिए देर शाम तक मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। यह दिव्य एवं मनमोहक श्रृंगार शिव भक्त संजीव मोरे, विवेक शिंदे, अरविंद ठाकुर, अर्चना काग और उर्वशी राठौड़ द्वारा भक्तिभाव से किया गया। महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया और पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहा।

62 किमी पैदल चल छात्रों ने कलेक्टर को बताईं समस्याएं

नवभारत न्यूज सेंधवा। नगर के एकलव्य आदर्श विद्यालय जामली के छात्र-छात्राएं हॉस्टल की समस्याओं को लेकर कलेक्टर से मिलने पैदल रवाना हुए। छात्रों को रास्ते में रोका गया, जिसके बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने उनसे चर्चा की। कलेक्टर ने छात्रों की समस्याओं की जांच के लिए कमेटी गठित की है। सोमवार को एकलव्य आदर्श विद्यालय जामली के छात्र-छात्राओं ने अपनी समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर पैदल मार्च शुरू किया। दोपहर करीब 12 बजे छात्र 62 किलोमीटर दूर बड़वानी कलेक्टर से मिलने के लिए रवाना हुए। छात्रों के हाथों में अपनी मांगों से जुड़े पोस्टर थे।

छात्रों का कहना था कि वे गूगल पर दुनिया देखते हैं और अपने अधिकारों को जानते हैं। उन्होंने कहा कि अब वे अपनी समस्याओं को लेकर चुप नहीं बैठेंगे और समाधान चाहते हैं।

हॉस्टल की व्यवस्थाओं को लेकर जताई नाराजगी

पैदल मार्च कर रहे छात्रों ने हॉस्टल में मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप लगाया। छात्रों ने स्मार्ट क्लास, साफ पानी और बेहतर भोजन की मांग रखी। साथ ही छात्रों ने प्रताड़ना और जाति से बुलाए जाने का आरोप भी लगाया। छात्रों ने कहा कि वे इन समस्याओं को लगातार झेल रहे हैं और अब अपनी बात जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाना चाहते हैं।

अधिकारियों ने छात्रों से की चर्चा

छात्रों के पैदल मार्च की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया। एसडीएम, एसडीओपी और तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने छात्रों से चर्चा कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। हालांकि छात्र अपनी समस्याएं सीधे कलेक्टर के सामने रखना चाहते थे। इसके बाद प्रशासन ने उन्हें रास्ते में रोककर आगे की कार्रवाई शुरू की।

बैठक के बाद कलेक्टर ने बच्चों से की मुलाकात

कलेक्टर जयति सिंह बैठक समाप्त होने के बाद बड़वानी से जुलवानिया पहुंचीं। जुलवानिया कन्या हाई स्कूल परिसर में उन्होंने सभी बच्चों से चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनी। कलेक्टर जयंती सिंह ने कहा कि छात्रों की सभी समस्याएं सुनी गई हैं। मामले की जांच के लिए कमेटी गठित की गई है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि ये हमारे जिले के बच्चे हैं, हमारी पूरी संवेदना इनके साथ है और हम चाहते हैं कि बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। अधिकारियों ने छात्रों को जांच के बाद उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

एक नजर में

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता...

बड़वानी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के कॅरियर सेल द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं कॅरियर निर्माण को केंद्र में रखते हुए विशेष संवाद का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ वीणा सत्य ने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। इस अवधि में विकसित की गई अच्छी आदतें और सकारात्मक गुण भविष्य के जीवन को दिशा देते हैं। कॅरियर मार्गदर्शक डॉ मधुसूदन चौबे ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि व्यक्तित्व किसी एक दिन में निर्मित नहीं होता। यह व्यक्ति के विचारों, व्यवहार, आदतों और गुणों के निरंतर विकास का परिणाम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति में अनेक संभावनाएं होती हैं, लेकिन उन संभावनाओं को वास्तविक क्षमता में बदलने के लिए अच्छे गुणों को आत्मसात करना और उनका निरंतर अभ्यास करना आवश्यक है। केवल इन गुणों के बारे में जान लेना पर्याप्त नहीं है। अभी से अपने व्यक्तित्व को इस प्रकार विकसित करें कि भविष्य में किसी भी शैक्षणिक, प्रतियोगी या व्यावसायिक अवसर का सामना आत्मविश्वास के साथ कर सके। दिव्या जमरे, भोलू बामनिया, जोया खान, हंसा धनगर और आरती धनगर का भी सहयोग रहा।

सैकड़ों पेसा मोबिलाइर भोपाल के लिए रवाना

बड़वानी, (नवभारत)। जिले से सैकड़ों पेसा मोबिलाइजर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भोपाल रवाना हुए हैं। मध्य प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में कार्यरत हजारों पेसा मोबिलाइजर कर्मचारियों के प्रदेश संगठन के आह्वान पर 24 अगस्त को सुबह 10 बजे डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क, तुलसी नगर भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है।

इस आंदोलन में शामिल होने के लिए बड़वानी जिले से सैकड़ों मोबिलाइजर भोपाल के लिए रवाना हुए। जिलाध्यक्ष बलराम किराड़े ने बताया कि पेसा मोबिलाइजरों को बिना किसी पूर्व नोटिस के 18 मई 2026 को अचानक सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया गया था। इसके विरोध में मोबिलाइजर लगातार आंदोलन एवं धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। मोबिलाइजरों की प्रमुख मांग सेवा समाप्ति आदेश निरस्त कर पुनः बहाली का आदेश जारी करना है। संगठन का कहना है कि जब तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जैन प्रदेश सचिव और मोहन पाटिल सम्भागीय सचिव नियुक्त

बड़वानी। प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन 23 अगस्त को हुआ। जिसमें जिले से 10 सदस्य शामिल हुए तथा अन्य 40 जिलों के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने की। मुख्य अथिति नवीन ऊर्जा मंत्री राकेश कुमार शुक्ल रहे। जिले से जीआर सूर्यवंशी को प्रांतीय उपाध्यक्ष, विजयकुमार जैन को प्रदेश सचिव, जिलाध्यक्ष मोहन पाटिल को सम्भागीय सचिव एवं संतोष यादव को जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ के पद पर नियुक्त किया है। पेंशनर सदस्यों का सम्मान भी किया। उक्त जानकारी देते हुए जिलाध्यक्ष विजयकुमार जैन ने बताया कि मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री के नाम मंत्री को 9 मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

आलीराजपुर

एक नजर में

मुख्यमंत्री नेतृत्व विकास कोर्स का सत्र आरंभ समारोह

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू कक्षाओं का सत्रारंभ समारोह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कट्ठीवाड़ा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं माल्यार्पण से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता जयराज सिंह उपस्थित रहे। जिला समन्वयक मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद अधिकारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता एवं व्यक्तित्व विकास के साथ ग्राम विकास में सहभागिता की भावना विकसित होती है। विद्यार्थियों को प्रयोगशाला ग्राम में छह दिवस व्यावहारिक गतिविधियों तथा रविवार को सैद्धांतिक अध्ययन कराया जाएगा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरित कर स्वैच्छिकता एवं नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। साथ ही श्रम साधना, 'एक पेड़ मां के नाम' एवं पारंपरिक खेलों जैसी गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर परामर्शदाता एवं बीएसडब्ल्यू-एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर बच्चों की मदद के लिए आगे आए विधायक पति

विधायक सेना महेश पटेल ने की 25 हजार रुपए सहायता की घोषणा

आलीराजपुर। रक्षाबंधन के अवसर पर मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करते हुए आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश पटेल और जोबट विधायक सेना महेश पटेल ने ग्राम उबलड के तीन अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया। बच्चों की आर्थिक स्थिति की जानकारी मिलने पर महेश पटेल ने तत्काल सहायता उपलब्ध कराई, वहीं विधायक सेना महेश पटेल ने बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए ?25 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

ग्राम उबलड के सरपंच लक्ष्मण डावर तीनों बच्चों को लेकर महेश पटेल के पास पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि बच्चों के माता-पिता का निधन हो चुका है और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। बच्चों के आधार कार्ड बनवाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार कराए जा रहे हैं, ताकि तीनों बच्चों का स्कूल में दाखिला कराया जा सके। बच्चों की स्थिति जानकर महेश पटेल ने तत्काल तीनों बच्चों के लिए कपड़े और जूते उपलब्ध कराए और 5 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने बच्चों की पढ़ाई और बेहतर भविष्य के लिए आगे भी हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उधर, जोबट विधायक सेना महेश पटेल ने भी तीनों बच्चों की मदद के लिए 25 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। ग्राम सरपंच लक्ष्मण डावर ने कहा कि तीनों बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ चुका है और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। ऐसे समय में महेश पटेल द्वारा बच्चों को कपड़े, जूते और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना उनके लिए बड़ी मदद है।

नेशनल लोक अदालत 12 को, प्रकरण को लेकर बैठकों का दौर जारी

आलीराजपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, आलीराजपुर के मार्गदर्शन में जिला आलीराजपुर एवं तहसील जोबट के समस्त न्यायालयों में 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों एवं अधिकाधिक प्रकरणों के निराकरण को लेकर अधिवक्ता संघ, विद्युत वितरण कंपनी तथा स्थानीय बैंकों के अधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित की गईं।

बैठकों में प्रथम जिला न्यायाधीश नंदराम परमार, द्वितीय जिला न्यायाधीश आर.पी. सेवेतिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जय पाटीदार, जिला विधिक सहायता अधिकारी शक्ति रावत, अध्यक्ष अभिभाषक संघ राजेश वाघेला सहित अधिवक्तागण एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अधिवक्ताओं से अधिकाधिक प्रकरण नेशनल लोक अदालत में रेफर कर उनका निराकरण कराने में सहयोग की अपील की गई। वहीं बैंक अधिकारियों एवं विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों को बैंक या मनी रिकवरी, विद्युत बिल आदि से संबंधित अधिकाधिक प्री-लिटिगेशन प्रकरण रेफर करने, लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा नियमानुसार छूट का लाभ देकर पक्षकारों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए।

170 किलोमीटर दूर से शिप्रा का जल लाकर किया भोलेनाथ का अभिषेक

उज्जैन से 51 लीटर शिप्रा का जल लेकर पैदल चले पारा के युवा

पारा। क्षेत्र के धार्मिक उत्साह और अटूट शिव भक्ति का एक अनोखा उदाहरण देखने को मिला है। पारा नगर के 5 शिवभक्त युवाओं ने एक अद्भुत सामूहिक संकल्प के साथ उज्जैन से पैदल कांवड़ यात्रा पूरी कर नगर के प्राचीन शिव मंदिरों में पवित्र शिप्रा जल से जलाभिषेक किया।

यह कांवड़ यात्रा 17 अगस्त को धर्मनगरी उज्जैन से प्रारंभ हुई थी। भीषण गर्मी और कठिन पैदल मार्ग की परवाह किए बिना कांवड़िए लगातार चलते हुए 24 अगस्त को पारा पहुंचे। इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि युवाओं ने एक ही भव्य कांवड़ में आठ कलशों के भीतर 51 लीटर पवित्र शिप्रा जल भरकर बारी-बारी से उठाकर यह पूरी यात्रा तय की। नगर के यशराज चौहान, बंटी चौहान, मनीष चौहान, प्रवीण चौहान, करण सिंगाड़ की टीम लाई पवित्र जल। 24 अगस्त को पारा पहुंचने पर कांवड़ियों का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात युवाओं ने पारा के प्राचीन श्री शंकर मंदिर, वखतपुरा स्थित शिव मंदिर और धांधलपुरा शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का 51 लीटर शिप्रा जल से विधि-विधानपूर्वक जलाभिषेक किया और क्षेत्र की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

एक नजर में — नशामुक्ति से सड़क सुरक्षा तक कलेक्टर के सख्त निर्देश

लंबित प्रकरणों पर तुरंत कार्रवाई करें अधिकारी : कलेक्टर माथुर

आलीराजपुर। जिले में नशे के बढ़ते प्रभाव पर रोक लगाने, सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और आमजन से जुड़े लंबित मामलों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को लेकर सोमवार को कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। कलेक्टोरेट में आयोजित जिला स्तरीय एनसीओआरडी, चिन्हित अपराध, जिला सड़क सुरक्षा समिति तथा समयावधि बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं और जनशिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नशामुक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती माथुर ने स्कूलों एवं छात्रावासों में नियमित नशामुक्ति जागरूकता शिविर आयोजित करने तथा शासकीय एवं निजी विद्यालयों में नशामुक्ति समितियां गठित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को नशीले पदार्थों की खेती की ब्लॉकवार जांच करने तथा संबंधित विभागों को इनके उत्पादन और अवैध बिक्री पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए। सड़क सुरक्षा को लेकर उन्होंने नगर पालिका अधिकारी को मुख्य बस स्टैंड एवं बाजार क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने, ओवरलोडिंग के खिलाफ कार्रवाई करने तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में आवश्यक साइन बोर्ड लगाने को कहा। राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ हिट एंड रन मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

राजस्व और लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर कार्रवाई

राजस्व प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने बंटवारा, कब्जा सहित अन्य मामलों में मौके पर जांच कर पात्र एवं जायज शिकायतों का तत्काल निराकरण करने को कहा। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समयसीमा में कार्य नहीं होने के मामले में जनपद पंचायत आलीराजपुर के संबंधित सचिव मालावई के विरुद्ध अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी अधिकारियों को चेताया कि लोक सेवा गारंटी के मामलों में समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए।

सेवानिवृत्ति के दिन पीपीओ देने के निर्देश-पेंशन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने से कम से कम छह माह पहले पेंशन प्रकरण तैयार कर लिया जाए और सेवानिवृत्ति की तिथि को ही संबंधित कर्मचारी को पीपीओ उपलब्ध कराया जाए। इसमें लापरवाही पाए जाने पर संबंधित डीडीओ के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। संबल योजना के आवेदन 50 दिन से अधिक लंबित नहीं रखने, अपील प्रकरणों की जांच कर शीघ्र निराकरण करने तथा अनुग्रह सहायता से जुड़े लंबित आवेदनों का तत्काल परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को राहत देने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघमित्रा गौतम, अपर कलेक्टर सोहन कनाश, समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।